ॐ

भगवद् गीता

पर शोध पत्र के लिए आमंत्रण

यदा यदा हि धर्मस्य
ग्लानिर्भवति भारत:।
अभ्युत्थानमधर्मस्य
तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

विषय:

भगवद्गीता में वर्णित युद्ध हिंसक नहीं था
महाभारत का हिंसक युद्ध इससे भिन्न था
अथवा
गीता का भगवान सर्वव्यापी
नहीं हो सकता

प्रायोजक:

ब्रह्माकुमरीज़ (मुख्यालय माउन्ट आबू)
एवं
राजयोग एजुकेशन एण्ड
रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली

+91 96506 92053
www.brahmakumaris.com/gitaresearch/

उद्देश्य

- गीता का भगवान अति धर्मग्लानि के समय अवतरित होते हैं दुष्कर्मियों का नाश करने और सत्धर्म की स्थापना करने।
- गीता के आध्यात्मिक उपदेश द्वारा परमात्मा ने देवताओं को रचा और वे उन्नत हुए। गीता से हिंसक युद्ध की प्रेरणा नहीं मिलती। गीता एक योग शास्त्र है, न की युद्ध शास्त्र। हिंसा प्राचीन भारत की दैवी सम्पदा के मूल सिद्धांत, अहिंसा परमोधर्म: के विपरीत है।

पात्रता

गीता अध्येता जिन्होंने कम से कम दो वर्ष गीता पर शोध किया है। अन्य इच्छुक व्यक्ति पूर्व स्वीकृति प्राप्त कर इसमें भाग ले सकते हैं। प्रायोजक संस्थाओं के सदस्य इसमें भाग नहीं ले सकते।

पुरस्कार एवं प्रशस्ति

एक प्रथम पुरस्कार	दो द्वितीय पुरस्कार	तीन तृतीय पुरस्कार	पांच सांत्वना पुरस्कार
₹4,00,000	₹2,00,000	₹1,00,000	₹50,000

- विदेशी विजेताओं को पुरस्कार राशि विदेशी मुद्रा में दी जाएगी
- विजेताओं को प्रशस्ति पत्र भी दिए जायेंगे
- पुरस्कार वितरण समारोह संसद भवन एनेक्सी, नई दिल्ली, में आयोजित किया जायेगा
- विजेताओं को सितम्बर 3-7 ब्रह्माकुमारी संस्थान के आबू रोड स्थित शांतिवन परिसर में आयोजित किये जाने वाले अखिल भारतीय भगवद्गीता सम्मेलन में सम्मानित किया जाएगा

दिशा निर्देश

1. शोध पत्र (टाइप किए हुए) हिंदी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत में भेजे जा सकते हैं।
2. शब्दों की सीमा नहीं रखी गयी है।
3. विधिवत हस्ताक्षर किए हुए कवर पत्र में आपका संपर्क विवरण होना चाहिए। एक हाल ही का पासपोर्ट-साइज़ फोटो तथा आपके आधार कार्ड की कॉपी (केवल भारतीय नागरिकों के लिए) साथ में संलग्न हो।
4. शोध पत्र की PDF फाइल, जो की 10 MB से कम हो, gitaresearch@bkivv.org पर भेजें।
5. शोध पत्र भेजने की अंतिम तिथि 21 जून 2022 (अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस) है।

नियम और शर्तें

1. विजेताओं का चयन शोध पत्रों की मौलिकता और रचनात्मकता के आधार पर किया जायेगा
2. एक व्यक्ति एक शोध पत्र ही भेज सकता है
3. शोध पत्रों की जांच एक पांच-सदस्यीय विशेषज्ञ समिति (वेबसाइट: brahmakumaris.com/gitaresearch देखें) करेगी, जिसका निर्णय अंतिम होगा
4. प्रायोजकों का शोध पत्रों पर सर्वाधिकार होगा
5. दिशा निर्देश का उल्लंघन करने पर भाग लेने वाले अयोग्य माने जायेंगे
6. शोध पत्र मौलिक होने चाहिए। नकल किए हुए शोध पत्र अस्वीकार किए जायेंगे